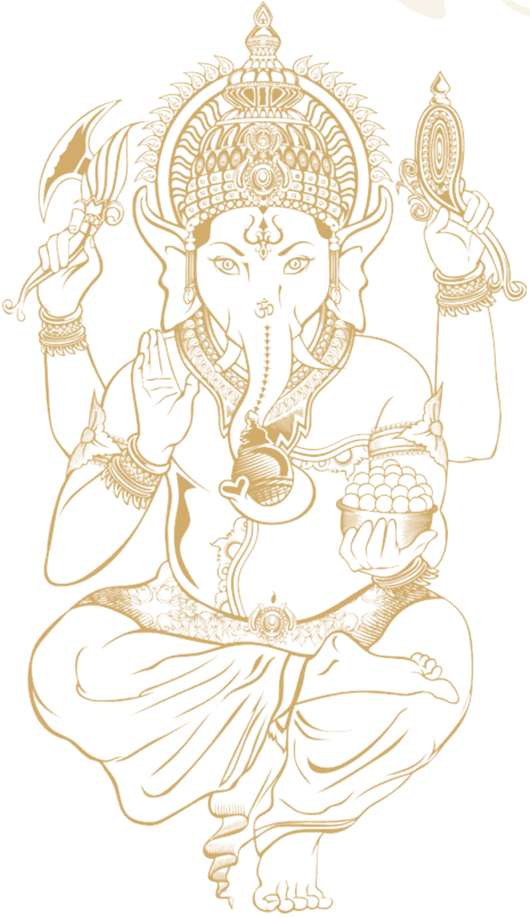

20 Dec 1996

08:10 AM

Nawashahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121168703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/12/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:10:00 घंटे**
इष्ट	02:06:24 घटी
स्थान	**Nawashahr**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:44:36 घंटे
वेलान्तर	00:02:19 घंटे
साम्पातिक काल	13:40:28 घंटे
सूर्योदय	07:19:26 घंटे
सूर्यास्त	17:26:53 घंटे
दिनमान	10:07:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:40:55 धनु
लग्न के अंश	15:33:39 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	15:33:39	350:00:05	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
सूर्य			धनु	04:40:55	01:01:05	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	08:40:34	13:14:29	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	01:03:07	00:23:56	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
बुध			धनु	24:15:14	00:35:25	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	28:38:42	00:13:27	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	09:46:37	01:14:52	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि			मीन	07:02:37	00:01:48	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	10:24:52	00:03:33	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	10:24:52	00:03:33	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	08:49:17	00:03:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:35:22	00:02:04	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	10:09:06	00:02:13	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	03:15:15	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:54

लग्न-चलित

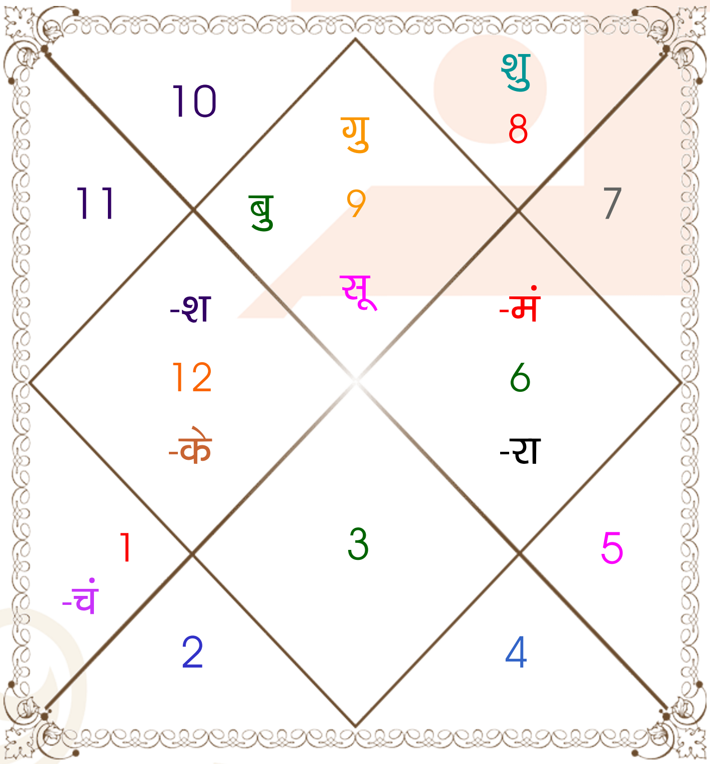

चन्द्र कुंडली

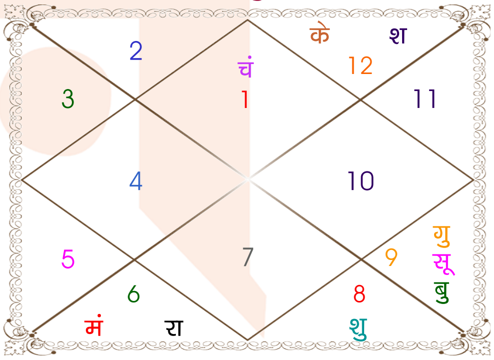

नवमांश कुंडली

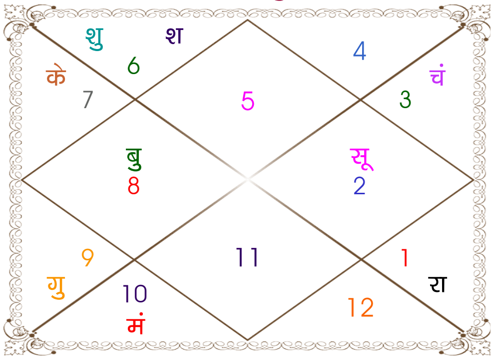

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 5 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
20/12/1996	**01/06/1999**	**01/06/2019**	**31/05/2025**	**01/06/2035**
01/06/1999	**01/06/2019**	**31/05/2025**	**01/06/2035**	**01/06/2042**
00/00/0000	शुक्र 30/09/2002	सूर्य 18/09/2019	चंद्र 01/04/2026	मंगल 28/10/2035
00/00/0000	सूर्य 01/10/2003	चंद्र 19/03/2020	मंगल 31/10/2026	राहु 15/11/2036
00/00/0000	चंद्र 31/05/2005	मंगल 25/07/2020	राहु 01/05/2028	गुरु 21/10/2037
00/00/0000	मंगल 01/08/2006	राहु 19/06/2021	गुरु 31/08/2029	शनि 30/11/2038
00/00/0000	राहु 31/07/2009	गुरु 07/04/2022	शनि 01/04/2031	बुध 27/11/2039
20/12/1996	गुरु 31/03/2012	शनि 20/03/2023	बुध 30/08/2032	केतु 25/04/2040
गुरु 25/04/1997	शनि 01/06/2015	बुध 24/01/2024	केतु 01/04/2033	शुक्र 25/06/2041
शनि 04/06/1998	बुध 01/04/2018	केतु 31/05/2024	शुक्र 30/11/2034	सूर्य 31/10/2041
बुध 01/06/1999	केतु 01/06/2019	शुक्र 31/05/2025	सूर्य 01/06/2035	चंद्र 01/06/2042

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
01/06/2042	**31/05/2060**	**31/05/2076**	**01/06/2095**	**01/06/2112**
31/05/2060	**31/05/2076**	**01/06/2095**	**01/06/2112**	**00/00/0000**
राहु 11/02/2045	गुरु 19/07/2062	शनि 04/06/2079	बुध 28/10/2097	केतु 28/10/2112
गुरु 07/07/2047	शनि 30/01/2065	बुध 11/02/2082	केतु 25/10/2098	शुक्र 28/12/2113
शनि 13/05/2050	बुध 08/05/2067	केतु 23/03/2083	शुक्र 26/08/2101	सूर्य 05/05/2114
बुध 30/11/2052	केतु 12/04/2068	शुक्र 22/05/2086	सूर्य 02/07/2102	चंद्र 04/12/2114
केतु 18/12/2053	शुक्र 12/12/2070	सूर्य 04/05/2087	चंद्र 02/12/2103	मंगल 02/05/2115
शुक्र 18/12/2056	सूर्य 01/10/2071	चंद्र 03/12/2088	मंगल 28/11/2104	राहु 20/05/2116
सूर्य 12/11/2057	चंद्र 30/01/2073	मंगल 12/01/2090	राहु 17/06/2107	गुरु 21/12/2116
चंद्र 14/05/2059	मंगल 06/01/2074	राहु 18/11/2092	गुरु 22/09/2109	00/00/0000
मंगल 31/05/2060	राहु 31/05/2076	गुरु 01/06/2095	शनि 01/06/2112	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 5 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु राशि में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल सिंह का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित था। धनु राशीय संबंधित जन्म प्रभाव की आकृति इस विषय की ओर इंगित करता है कि वास्तव में आपके जन्म का स्वरुप आपको सौभाग्यशाली होने का वरदान प्रदान करता है कि आप हर दृष्टिकोण से सुगमता पूर्वक अपने जीवन कक्ष में प्रवेश करके आप अपने जीवन में सभी प्रकार की सुख सुविधाओं से युक्त धन संपत्तिवान होकर, आनंदित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप अबाध गति से 28 वर्ष की आयु तक के सभी कार्यकलाप नियमित रखते रहे तो यह सत्य है कि आपकी आयु की अवधि जीवन का सबसे भाग्यशाली समय प्रमाणित होगा। यह आपके जीवन का महत्वपूर्ण कदम उठाना। आपके भाग्योदय के लिए यह समय उत्तम एवं उच्चस्तरीय धन, संपत्ति उपार्जन हेतु अनुकूल समय होगा। स्वाभाविक रूप से आपके लिए यह गर्व की बात होगी। परंतु कुछ समय के लिए आप अक्खरपन दिखाने वाले होंगे। परंतु आप यदि कोई अनुचित कार्य न करें, शेष सामाजिक न्यायपालक बन कर पूर्णरूपेण पत्नी एवं बच्चों से अच्छी प्रकार संबंधित होकर रहे तथा उनके लिए कुछ भी कोई भी त्याग करने हेतु तैयार रहे। आप सदैव अपने उन मित्रों के प्रति निष्ठावान रहते हो जो आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से किसी भी कल्याणकारी कार्य हेतु अर्थ दान करोगे।

आप व्यक्तिगत रूप से विश्वासी, सच्चा, ईमानदार, सबों पर सदैव विश्वास करने वाले तथा निष्कपट भाव से सबों पर विश्वास रखने वाले हैं। आप किसी भी सभा या सार्वजनिक स्थान पर सत्यभाषण करेंगे। जो अन्यों की अपेक्षा अरूचिकर नहीं होता है। आप असावधानी पूर्वक निष्पक्ष भाव से अपनी अप्रसन्नता अभिव्यक्ति कर देते हैं। फलस्वरूप आप अपनी पवित्र अभिरूचि को सार्वजनिक कर देते हैं। परंतु आप जिनसे संबद्ध रहते हो, उन्हें अपने सिद्धांत के अनुसार महत्व प्रदान करते हो।

आप अपनी कुशाग्र, बुद्धिमत्ता एवं सैद्धांतानुसार अपनी कार्य योजना को कार्यान्वित कर अपनी योजना के प्रति अग्रिम रूप से कारवाई करते हैं। आप सच्ची भावना से कठिन कर्म हेतु प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कृत संकल्पित रहते हैं। आप आर्थिक लाभांश एवं सभी प्रकार के अभाव की पूर्ति हेतु आप कार्यानुरूप प्रस्तुत रहते हैं।

आप अपने स्वभाव के अनुरूप कार्य व्यवसाय का चयन कर सकते हैं। आप एक बार लेखन, व्यवसाय, संपादन कार्य, पुस्तक प्रकाशन का कार्य, कंपनी लॉ, राजनीति अथवा धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन कार्य से संबद्ध हो सकते है। अतः आप वैदेशिक लोगों से संबंध का विस्तार कर, दो बार वैदेशिक भ्रमण की व्यवस्था कर सकते है। आपका किसी भी प्रकार से किसी भी विषय में यथा सट्टेबाजी आदि में आसक्त हो जाना आपके लिए अनर्थकारी प्रमाणित होगा।

आपके लिए निम्नांकित निर्देशों का अनुपालन करना उत्तम एवं समृद्धिकारक है।

आप साप्ताहिक दिनों में महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल दिन मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक फलदायी एवं अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में लाभदायक रंग सफेद, क्रीम रंग, हरा, नारंगी, सूआपंखी एवं नीला रंग उपयुक्त है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग सर्वथा अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।